Online at: https://researchtrendsjournal.com
Indexed Journal, Impact Factor: 6.1

ISSN No: 2584-282X
Peer Reviewed Journal

INTERNATIONAL JOURNAL OF TRENDS IN EMERGING RESEARCH AND DEVELOPMENT

Volume 3; Issue 5; 2025; Page No. 61-64

Special Issue of International Seminar (23rd - 24th August, 2025)
On the Topic
Indian Knowledge System (IKS): Challenges & its Application in Higher Education for Sustainable Development
By
Faculty of Education, IASE (DU), Sardarshahar, Churu, Rajasthan - 331403

भारतीय: ज्ञान परंपरा में साहित्य का महत्व: एक अध्ययन

ज्योति शर्मा

सहायक आचार्य, शिक्षा संकाय, आई. ए. एस. ई. (मानित विश्वविद्यालय), सरदारशहर, राजस्थान, भारत

DOI: https://doi.org/10.5281/zenodo.17271985

Corresponding Author: ज्योति शर्मा

सारांश

यह शोध पत्र भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा" (जिसे वैदिक या प्राचीन भारतीय ज्ञान धारा के रूप में समझा जा सकता है) में साहित्य की भूमिका का विश्लेषण करता है।भारतीय ज्ञान परंपरा, जो मुख्य रूप से वैदिक साहित्य, उपनिषदों, महाकाव्यों और दार्शनिक ग्रंथों पर आधारित है, में साहित्य न केवल ज्ञान का संवाहक माध्यम है, बल्कि सांस्कृतिक, नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों का संरक्षक भी है। यह पत्र साहित्य के माध्यम से ज्ञान के संरक्षण, प्रसार और सामाजिक परिवर्तन की भूमिका पर चर्चा करता है। शोध के प्रमुख निष्कर्ष यह दर्शाते हैं कि साहित्य भारतीय ज्ञान परंपरा की आत्मा है, जो मौखिक परंपराओं से लिखित रूप तक विकसित होकर मानव जीवन को समृद्ध करता है।

मूलशब्द: भारतीय ज्ञान परंपरा, साहित्य का महत्व, वैदिक साहित्य, भारतीय दर्शन, ज्ञान संरक्षण।

प्रस्तावना (Introduction)

भारतीय ज्ञान परंपरा विश्व की सबसे प्राचीन और समृद्ध परंपराओं में से एक है, जो वैदिक काल से चली आ रही है। "भारतीय ज्ञान परंपरा" शब्द वैदिक या प्राचीन भारतीय ज्ञान धारा को संदर्भित करता है, जिसमें वेद, उपनिषद, पुराण, महाभारत और रामायण जैसे ग्रंथ प्रमुख हैं। यह परंपरा ज्ञान को केवल बौद्धिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और सामाजिक संदर्भ में देखती है। साहित्य इस परंपरा का मूल आधार है, क्योंकि यह ज्ञान को काव्यात्मक, कथात्मक और दार्शनिक रूप में प्रस्तुत करता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) में भारतीय ज्ञान परंपरा को पाठ्यक्रम का अभिन्न अंग बनाने का उल्लेख है, जो साहित्य के महत्व को रेखांकित करता है। यह शोध पत्र साहित्य की भूमिका को तीन प्रमुख आयामों में जांचता है: ज्ञान संरक्षण, नैतिक शिक्षा और सांस्कृतिक एकीकरण। शोध का उद्देश्य यह स्थापित करना है कि साहित्य बिना किसी अतिशयोक्ति के भारतीय ज्ञान परंपरा की धुरी है।

भारतीय ज्ञानपरम्परा की विशेषताएं

1. **समग्र दृष्टिकोण (Holistic View)**
   - जीवन, प्रकृति और ब्रह्मांड को एक-दूसरे से जुड़ा मानना।
   - "वसुधैव कुटुम्बकम्" की भावना।
2. **वेदों का महत्व**
   - ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद और अथर्ववेद।
   - ज्ञान, कर्म और उपासना - तीनों का समन्वय।
3. **उपनिषद परंपरा:**
   - आत्मा और ब्रह्म का संबंध।
   - मोक्ष और ज्ञान की खोज।
   - "अहं ब्रह्मास्मि", "तत्वमसि" जैसे महावाक्य।
4. **दर्शन शास्त्र (6 प्रमुख)**
   - सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा और वेदांत।
   - तार्किक और आध्यात्मिक चिंतन।
5. **अन्य ज्ञान परंपराएँ**
   - आयुर्वेद (चरक, सुश्रुत)
   - गणित (आर्यभट, ब्रह्मगुप्त)
   - खगोलशास्त्र (वराहमिहिर)
   - अर्थशास्त्र (कौटिल्य/चाणक्य)

अतः स्पष्ट है कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल धार्मिक नहीं थी, बल्कि जीवन, स्वास्थ्य, विज्ञान, कला और समाज सबको समेटती थी।

भक्ति काव्य

मध्यकालीन भारतीय साहित्य का सबसे बड़ा आंदोलन भक्ति आंदोलन था।

उद्भव

- दक्षिण भारत (7वीं-12वीं शताब्दी) - आलवार (वैष्णव) और नयनार (शैव) संत।
- उत्तर भारत (14वीं-17वीं शताब्दी) - कबीर, तुलसीदास, सूरदास, मीराबाई, दादू आदि।

मुख्य विशेषताएँ

1. ईश्वर से प्रेम और समर्पण।
2. जाति-पांति और कर्मकांड का विरोध।
3. लोकभाषा का प्रयोग (अवधी, ब्रज, पंजाबी, मराठी, तमिल आदि)।
4. दो धाराएँ
   - **निर्गुण भक्ति:** निराकार ईश्वर (कबीर, दादू, नानक)।
   - **सगुण भक्ति:** साकार ईश्वर (राम और कृष्ण केंद्रित भक्ति - तुलसी, सूर, मीरा)।
5. **साहित्यिक रूप:** दोहा, साखी, पद, भजन, कीर्तन।
6. **सामाजिक प्रभाव:** समानता, भाईचारा और धार्मिक सहिष्णुता।

प्रमुख कवि और रचनाएँ

- **निर्गुण संत**
  - कबीर → साखी ग्रंथ, बीजक
  - गुरु नानक → जपुजी साहिब
  - दादूदयाल → दादू वाणी
- **सगुण संत**
  - तुलसीदास → रामचरितमानस, विनय पत्रिका
  - सूरदास → सूरसागर
  - मीराबाई → पदावली (भजन)
  - चैतन्य महाप्रभु → कृष्ण भक्ति

भारतीय ज्ञानपरम्परा का महत्व

1. समाज में भाईचारा और समरसता स्थापित की।
2. लोकभाषा साहित्य का विकास हुआ।
3. संगीत और नृत्य को धार्मिक काव्य से जोड़ा गया।
4. धर्म और अध्यात्म को सरल बनाया।
5. हिंदू-मुस्लिम एकता और धार्मिक सहिष्णुता का संदेश।

साहित्य समीक्षा (Literature Review)

भारतीय साहित्य का इतिहास प्राचीन काल से जुड़ा है, जहां वेद सबसे पुराने ग्रंथ हैं। ऋग्वेद ज्ञान के महत्व पर जोर देता है, जबकि उपनिषद दार्शनिक चिंतन को साहित्यिक रूप देते हैं। महाभारत और रामायण जैसे महाकाव्य राजनीति, प्रेम और नैतिकता के अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं।

मध्यकालीन साहित्य में भक्ति काव्य (कबीर, तुलसीदास) ने ज्ञान परंपरा को लोकप्रिय बनाया। आधुनिक संदर्भ में, शोधकर्ता जैसे रामचंद्र शुक्ल ने साहित्य को समाज का दर्पण माना। हाल के अध्ययनों में, भारतीय ज्ञान परंपरा में साहित्य को स्वास्थ्य, पर्यावरण और सतत विकास से जोड़ा गया है। जैन और बौद्ध साहित्य (जैसे जातक कथाएं) नैतिक शिक्षा के माध्यम से ज्ञान प्रसार करते हैं।

ये स्रोत दर्शाते हैं कि साहित्य ज्ञान परंपरा का वाहक है, जो मौखिक से लिखित रूप में विकसित हुआ।

भारतीय ज्ञान परंपरा का अवलोकन (Overview of AtiyaGyaanParampara)

भारतीय ज्ञान परंपरा वैदिक काल (1500 ई.पू.) से उत्पन्न हुई, जहां ज्ञान को "अति" (उत्कृष्ट) माना गया। यह परंपरा वेदांग (व्याकरण, ज्योतिष), उपवेद (आयुर्वेद, अर्थशास्त्र) और दर्शन (सांख्य, योग) पर आधारित है। गुरु-शिष्य परंपरा के माध्यम से ज्ञान का हस्तांतरण साहित्यिक ग्रंथों पर निर्भर था। भगवद्गीता जैसे ग्रंथ कर्म और ज्ञान को साहित्यिक संवाद के रूप में प्रस्तुत करते हैं।

यह परंपरा बहुआयामी है: आध्यात्मिक (उपनिषद), वैज्ञानिक (चरक संहिता) और सामाजिक (मनुस्मृति)। साहित्य ने इनका संरक्षण किया, क्योंकि मौखिक परंपरा में स्मृति और काव्य महत्वपूर्ण थे।

साहित्य का महत्व: प्रमुख आयाम (Importance of Literature: Key Dimensions)

1. **ज्ञान का संरक्षण और प्रसार (Preservation and Dissemination of Knowledge):** साहित्य ने प्राचीन ज्ञान को संरक्षित किया। वेदों की मौखिक परंपरा से लेकर पांडुलिपियों तक, साहित्य ने विकृति से बचाया। उदाहरणस्वरूप, पुराणों ने लोककथाओं के माध्यम से वैज्ञानिक तथ्यों (जैसे खगोल) को प्रसारित किया। जैन साहित्य (उत्तराध्ययन सूत्र) में ध्यान और योग का वर्णन साहित्यिक रूप से किया गया है।
2. **नैतिक और आध्यात्मिक शिक्षा (Moral and Spiritual Education):** साहित्य नैतिक मूल्यों का स्रोत है। रामायण में धर्म और कर्तव्य, जबकि महाभारत में नीति का चित्रण है। भक्ति साहित्य (सूरदास, मीरा) ने आध्यात्मिक ज्ञान को सरल बनाया, जिससे सामाजिक समावेशिता बढ़ी। यह परंपरा में साहित्य को "ज्ञान का पुरिफायर" मानती है।
3. **सांस्कृति का एकीकरण और आधुनिक प्रासंगिकता (Cultural Integration and Modern Relevance):** साहित्य ने विविध परंपराओं (हिंदू, जैन, बौद्ध) को एकीकृत किया। आधुनिक संदर्भ में, यह पर्यावरण (ऋग्वेद में प्रकृति पूजा) और स्वास्थ्य (आयुर्वेद ग्रंथ) से जुड़ता है। एनईपी के अनुसार, साहित्य शिक्षा में भारतीय मूल्यों को पुनर्स्थापित करता है।

निष्कर्ष (Conclusion)

भारतीय ज्ञान परंपरा में साहित्य का महत्व अतुलनीय है। यह न केवल ज्ञान का भंडार है, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का माध्यम भी। वर्तमान भूमंडलीकरण के दौर में, साहित्य भारतीय पहचान को मजबूत कर सकता है। भविष्य के शोध में डिजिटल माध्यमों से साहित्य के प्रसार पर ध्यान दिया जा सकता है। यह परंपरा हमें सिखाती है कि साहित्य के बिना ज्ञान अधूरा है।

संदर्भ सूची (References)

1. भारतीय परम्परा और साहित्य का महत्व - https://www.awgp.org/en/literature/akhandjyoti/1958/January/v2.5
2. भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी साहित्य -YouTube. https://www.youtube.com/watch?v=Wd12BSmYu0A
3. वेद, उपनिषद, शास्त्र और लोक साहित्य से उपजी भारतीय ज्ञान परंपरा -Facebook. https://www.facebook.com/SansadTelevision/videos/insight-%25E0%25A4%25AD%25E0%25A4%25BE%25E0%25A4%25B0%25E0%25A4%25A4%25E0%25A5%2580%25E0%25A4%25AF-%25E0%25A4%259C%25E0%25A5%258D%25E0%25A4%259E%25E0%25A4%25BE%25E0%25A4%25A8-%25E0%25A4%25AA%25E0%25A4%25B0%25E0%25A4%2582%25E0%25A4%25AA%25E0%25A4%25B0%25E0%25A4%25BE-%25E0%25A4%2594%25E0%25A4%25B0-%25E0%25A4%25B5%25E0%25A5%258D%25E0%25A4%25B6%25E0%25A5%258D%25E0%25A4%25B5%25E0%25A4%25BF%25E0%25A4%2595-%25E0%25A4%2585%25E0%25A4%25A8%25E0%25A5%2581%25E0%25A4%25B8%25E0%25A4%2582%25E0%25A4%25A7%25E0%25A4%25BE%25E0%25A4%25A8/609818838385758/
4. भारतीय ज्ञान परम्परा और साहित्य -IJCRT.org. https://www.ijcrt.org/papers/IJCRT2401871.pdf
5. भारतीय ज्ञान परंपरा अर्थ महत्व - जय विजय. https://jayvijay.co/2024/09/20/%25E0%25A4%25AD%25E0%25A4%25BE%25E0%25A4%25B0%25E0%25A4%25A4%25E0%25A5%2580%25E0%25A4%25AF-

%25E0%25A4%259C%25E0%25A5%258D%25E0%25A4%259E%25E0%25A4%25BE%25E0%25A4%25A8-%25E0%25A4%25AA%25E0%25A4%25B0%25E0%25A4%2582%25E0%25A4%25AA%25E0%25A4%25B0%25E0%25A4%25BE-%25E0%25A4%2585%25E0%25A4%25B0%25E0%25A5%258D%25E0%25A4%25A5/

6. भारतीय ज्ञान परंपरा में संत साहित्य का योगदान - ResearchGate. https://www.researchgate.net/publication/390138842_bharatiya_jnana_parampara_mem_santa_sahitya_ka_yogadana
7. भारतीय ज्ञान परंपरा के अन्तर्गत हिन्दी साहित्य - Teachmint. https://teachmint.storage.googleapis.com/public/758491551/StudyMaterial/110100a6-be94-4b22-bca2-2caedd245954.pdf
8. भारतीय ज्ञान परंपरा और भक्ति काव्य -Sahchar. https://www.sahchar.com/%25E0%25A4%25AD%25E0%25A4%25BE%25E0%25A4%25B0%25E0%25A4%25A4%25E0%25A5%2580%25E0%25A4%25AF-%25E0%25A4%259C%25E0%25A5%258D%25E0%25A4%259E%25E0%25A4%25BE%25E0%25A4%25A8-%25E0%25A4%25AA%25E0%25A4%25B0%25E0%25A4%2582%25E0%25A4%25AA%25E0%25A4%25B0%25E0%25A4%25BE-%25E0%25A4%2594%25E0%25A4%25B0-%25E0%25A4%25AD%25E0%25A4%2595/
9. भारतीय ज्ञान परंपरा में हिंदी साहित्य का योगदान - Barwani.mpinfo. https://barwani.mpinfo.org/TodaysNews?newsid=20240914N30&fontname=Mangal&LocID=28&pubdate=09/14/2024
10. भारतीय ज्ञान परम्परा और शोध -Asian Thinker. https://theasianthinker.com/wp-content/uploads/2022/11/10.-%25E0%25A4%25AD%25E0%25A4%25BE%25E0%25A4%25B0%25E0%25A4%25A4%25E0%25A5%2580%25E0%25A4%25AF-%25E0%25A4%259C%25E0%25A5%258D%25E0%25A4%259E%25E0%25A4%25BE%25E0%25A4%25A8-%25E0%25A4%25AA%25E0%25A4%25B0%25E0%25A4%25AE%25E0%25A5%258D%25E0%25A4%25AA%25E0%25A4%25B0%25E0%25A4%25BE-%25E0%25A4%2594%25E0%25A4%25B0-%25E0%25A4%25B6%25E0%25A5%258B%25E0%25A4%25A7.pdf
11. भारतीय ज्ञान परम्परा और साहित्य -IJCRT.org (सारांश). https://www.ijcrt.org/papers/IJCRT2401871.pdf
12. भारतीय परम्परा और साहित्य का महत्व -AWGP.org (सारांश). https://www.awgp.org/en/literature/akhandjyoti/1958/January/v2.5
13. भारतीय ज्ञान परंपरा के अन्तर्गत हिन्दी साहित्य - Teachmint (सारांश). https://teachmint.storage.googleapis.com/public/758491551/StudyMaterial/110100a6-be94-4b22-bca2-2caedd245954.pdf

Creative Commons (CC) License
This article is an open access article distributed under the terms and conditions of the Creative Commons Attribution (CC BY 4.0) license. This license permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original author and source are credited.